सखी मंडल से ग्रामीण महिलाओं के बढ़ते कदम

सखी मंडल से जुड़ कर ग्रामीण महिलाओं की सोच का दायरा बढ़ गया है. अब वो अपने आस-पास की समस्याओं को देख कर घबराती नहीं है, बल्कि उसका समाधान करने लगी हैं. सामूहिक प्रयास की ताकत से वो इसमें सफल हो रही हैं. गिरिडीह के बेंगाबाद में ग्रामीण महिलाओं द्वारा शुरू किया गया साप्ताहिक हाट इस बात का प्रमाण है. जब वहां की महिलाओं ने देखा कि आस-पास के गांवों में रोजगार की समस्या है, तो महिलाओं ने बाजार के जरिये इस समस्या को दूर करने का मन बनाया और साप्ताहिक बाजार की शुरुआत हो गयी. इस बाजार से कई ग्रामीणों को रोजगार मिल रहा है. इसके अलावा महिलाएं सरकारी योजनाओं को भी धरातल पर उतार रही हैं.

आगे बढ़ रही हैं सखी मंडल की महिलाएं

समूह की बैठक में एक मुट्ठी चावल जमा करतीं महिलाएं.

पश्चिमी सिंहभूम जिले के तांतनगर प्रखंड अंतर्गत कुंवराम गांव में जनवरी 2016 में किरण स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया. समूह में कुल 14 सदस्य हैं और यह समूह खूंटकटी कुम्बराम आजीविका महिला ग्राम संगठन के अंतर्गत आता है. संकुल संगठन का नाम चिरिमीट आजीविका महिला संकुल संगठन है. किरण आजीविका सखी मंडल की महिलाएं तय समय पर साप्ताहिक बैठक करती हैं. इस दौरान 10 रुपये साप्ताहिक राशि जमा भी करती हैं. पैसे जमा करने के साथ ही महिलाएं एक मुट्ठी चावल की बचत करती हैं. खूंटकटी कुम्बराम आजीविका महिला संगठन में होने वाली ईसी-एक की बैठक में महिलाएं एक किलो चावल जमा करती हैं. इस चावल को सखी मंडल से जुड़ी उस महिला को दिया जाता है, जिसके घर में चावल की कमी होती है. सर्वसम्मति से ऋण के तौर पर चावल दिया जाता है. जिस महिला को चावल दिया जाता है, वो महिला एक महीने में उसे वापस कर देती है. इससे चावल की मात्रा समूह में बढ़ती रहती है. किरण सखी मंडल की महिलाएं भी इस नियम के तहत बैठक करती हैं और समूह के 10 सूत्री नियमों का पालन करती हैं. सखी मंडल की दीदियों ने बताया कि समूह की सभी सदस्य पढ़ी-लिखी नहीं हैं, लेकिन समूह से जुड़ कर नाम लिखना सीख गयी हैं. हिन्दी बोलना भी सीख गयी हैं. महिलाएं बताती हैं कि जब वो समूह से नहीं जुड़ी थीं. उस वक्त उन्हें घर से बाहर निकलने का मौका भी नहीं मिलता था, पर अब घर से बाहर निकल रही हैं. बड़े अधिकारियों से बेझिझक बात कर लेती हैं. जेएसएलपीएस से जुड़ कर महिलाओं को काफी सम्मान मिल रहा है. किरण सखी मंडल से लोन लेकर समूह की महिलाएं अपना-अपना व्यवसाय कर रही हैं और अपनी आजीविका को आगे बढ़ाते हुए आत्मनिर्भर बन रही हैं. महिलाएं मुर्गी पालन, बकरी पालन, बागवानी और अपना व्यवसाय कर रही हैं. समूह से लोन लेकर सभी महिलाओं ने एक जैसी साड़ी खरीदी है. व्यवसाय के जरिये महिलाएं अपनी छोटी-मोटी जरूरतों को पूरा कर रही हैं. अब उन्हें पैसों की जरूरत पड़ने पर सूद में पैसा लेना नहीं पड़ता है. समूह से कम ब्याज पर लोन मिल जाता है. इससे कुम्बराम गांव की स्थिति में सुधार रही है.

सुशीला देवी

प्रखंड : तांतनगर
जिला : पश्चिमी सिंहभूम

ललिता के लिए वरदान बना आयुष्मान कार्ड

भगमनिया कुमारी

प्रखंड : कुडू
जिला : लोहरदगा

लोहरदगा जिले के कुडू प्रखंड अंतर्गत ननतीलो गांव की ललिता उरांव के लिए आयुष्मान कार्ड वरदान साबित हो रहा है. कार्ड के माध्यम से अपना इलाज कराने के बाद अभी वो स्वस्थ हैं. समूह से जुड़ कर आज वो काफी खुश हैं. समूह से जुड़ने से पहले उनकी आर्थिक स्थिति बेहद खराब थी. 2012 में गरीबी के कारण इलाज के अभाव में उनकी एक बेटी की मौत हो गयी थी. वर्ष 2015 में वह ललिता सूर्या आजीविका महिला समूह से जुड़ गयीं. इसके बाद उन्होंने समूह से 10 हजार रुपये का लोन लिया और होटल खोलीं. इस बीच समूह का कार्य करते हुए वर्ष 2018 में ललिता को आयुष्मान कार्ड की जानकारी मिली. उन्होंने अपना आयुष्मान कार्ड बनवा लिया. वर्ष 2019 में ललिता के शरीर में जख्म हो गया. उन्होंने लोहरदगा के नर्सिंग होम में आयुष्मान कार्ड के जरिये इलाज कराया और अभी वो पूरी तरह से स्वस्थ हैं. ललिता बताती हैं कि अगर पहले से उनके पास आयुष्मान कार्ड होता तो उनकी बेटी की जान नहीं जाती. वो प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को इस सराहनीय पहल के लिए धन्यवाद देती हैं.

अपने आंगन में ललिता उरांव.

बैंक सखी सरिता की है अपनी पहचान

सरिता देवी

प्रखंड : नावाडीह
जिला : बोकारो

बोकारो जिले के नावाडीह प्रखंड अंतर्गत भेंडरा पंचायत की सरिता देवी की आज अपनी पहचान है. समूह से जुड़कर बैंक सखी बनने के बाद उनकी दुनिया बदल गयी है. आज अपनी पहचान के साथ वो अपना कार्य कर रही हैं. समूह से जुड़ने से पहले सरिता हमेशा अपनी पहचान बनाने के लिए प्रयासरत रहती थीं, लेकिन उन्हें कोई रास्ता नहीं सूझ रहा था. इसके बाद वो श्री साई आजीविका सखी मंडल से जुड़ गयीं. सखी मंडल से जुड़ने के बाद उनका चयन बैंक सखी के लिए हो गया. बैंक सखी बनने के बाद सरिता आज अपने पति को आर्थिक तौर पर सहयोग कर रही हैं और अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिला रही हैं. सरिता बताती हैं कि बैंक सखी के तौर पर कार्य करते हुए वो खुद को काफी गौरवान्वित महसूस कर रही हैं. सरिता सखी मंडलों का खाता खुलवाती हैं, उन्हें सीसी लिंकेज कराती हैं. इसके साथ ही सभी महिलाओं को वित्तीय साक्षरता की जानकारी देती हैं. इतना ही नहीं, वो सभी को बीमा कराने के लिए प्रेरित भी करती हैं. बैंक से जुड़े कार्यों में ग्रामीणों का सहयोग करती हैं. आज ग्रामीण उन्हें बैंक सखी दीदी के नाम से जानते हैं. अपनी इस नयी पहचान के लिए सरिता जेएसएलपीएस को धन्यवाद देती हैं.

बैंक में काम करतीं बैंक सखी सरिता देवी.

राशन दुकान से आत्मनिर्भर बन रहीं विमला देवी

अपनी दुकान पर विमला देवी.

रांची जिले के कांके प्रखंड अंतर्गत मालश्रृंग पंचायत के सिरांगो गांव की विमला देवी समूह से जुड़ने के बाद आत्मनिर्भर बन गयी हैं. सिरांगो गांव में वर्ष 2016 में महिला समूह का गठन किया गया था. समूह के गठन के बाद विमला देवी गांव में बनी शुभम विकास महिला समिति से जुड़ गयीं. इसके बाद से उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आने लगा. शुभम महिला समूह में कुल 12 सदस्य हैं. विमला देवी समूह की सचिव हैं. प्रति सप्ताह समूह की बैठक होती है और सभी लोग बचत भी करते हैं. समूह से जुड़ने से पहले उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी. घर में चार बच्चे थे. पति भी बेरोजगार थे. इसके कारण परिवार के भरण-पोषण में काफी परेशानी हो रही थी. इसके बाद समूह से जुड़ कर विमला देवी ने सबसे पहले समूह से 20 हजार रुपये का लोन लिया और एक राशन दुकान खोलीं. दुकान में रोजमर्रा की जरूरत की सारी चीजें वो बेचने लगीं. इसके बाद फिर से उन्होंने समूह से 10 हजार और आठ हजार रुपये का लोन लिया और दुकान को बढ़ाने लगीं. इस तरह राशन दुकान से अच्छी कमाई होने लगी. कमाई को और बढ़ाने के लिए विमला ने राशन दुकान के साथ फास्ट फूड की भी दुकान खोल ली. फास्ट फूड के अलावा दुकान में समोसा भी बेचती हैं. दोनों दुकान से उन्हें प्रतिमाह 15 हजार रुपये की आमदनी हो जाती है. समूह से जुड़ने के बाद उनकी आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आया है. राशन दुकान और फास्ट फूड की दुकान चलाने में पति का पूरा सहयोग मिल रहा है. अब विमला के चारों बच्चे अच्छे स्कूल में पढ़ाई कर रहे हैं. इतना ही नहीं, अच्छी कमाई होने पर अब विमला अपना पक्का मकान भी बना रही हैं. अच्छी कमायी होने के कारण प्रतिमाह 1500 रुपया का लोन भी समय पर चुका रही हैं. अब विमला देवी बताती हैं कि भविष्य में वो दोनों दुकानों को और बड़ा करेंगी, जिससे उन्हें और अधिक आमदनी होगी. इससे परिवार की आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी. गांव की महिलाओं को संदेश देते हुए विमला कहती हैं कि सभी महिलाएं समूह से जुड़ कर और लोन लेकर अपना व्यवसाय शुरू करें. इसके जरिये महिलाएं अपनी घर की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकती हैं. गांव और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं.

सुषमा देवी

प्रखंड : कांके
जिला : रांची

उज्ज्वला से मिली धुएं से आजादी

गढ़वा जिले के डंडई प्रखंड अंतर्गत करके गांव की रीता देवी के दिन अब बदल गये हैं. उज्ज्वला योजना की बदौलत उन्हें अब रोज-रोज की मेहनत और धुएं से आजादी मिल गयी है. गंगा आजीविका महिला समूह से जुड़ने के बाद उनके जीवन में यह बदलाव आया है. रीता बताती हैं कि एक वक्त था जब प्रतिदिन उन्हें सुबह-शाम लकड़ियां चुनने के लिए जंगल जाना पड़ता था. जंगल से लकड़ी लाती थीं, तब घर में खाना बन पाता था. जंगल से लकड़ियां चुन कर लाना इतना आसान काम नहीं था. इतना ही नहीं, लकड़ियां जला कर खाना बनाने के दौरान धुएं से आंखों में जलन भी होती थी. धुएं के कारण गंभीर बीमारियों का खतरा बना रहता था. खास कर बारिश के मौसम में परेशानी और बढ़ जाती थी, जब लकड़ियां गीली रहती थीं. वह अपने बच्चे को समय से स्कूल भी नहीं पहुंचा पाती थीं. जंगल जाकर लकड़ी चुनने में काफी समय लगता था, जिसके कारण वो अपना सिलाई का काम सही तरीके से नहीं कर पा रही थीं. योजना का लाभ मिलने के बाद अब रीता को जंगल से लकड़ियां नहीं चुननी पड़ती हैं. इसलिए अब सिलाई करने के लिए उन्हें समय मिल जाता है. सिलाई करके प्रतिदिन 200-250 रुपये कमा लेती हैं. रीता खुद सिलाई करने के साथ-साथ दूसरी महिलाओं को भी सिलाई करना सिखाती हैं.

कमला देवी

प्रखंड : डंडई
जिला : गढ़वा

साप्ताहिक हाट का उद्घाटन

गिरिडीह जिले के बेंगाबाद प्रखंड अंतर्गत मानजोरी कलस्टर की मानजोरी पंचायत के चकरदाहा सरकारी मंडप के पास साप्ताहिक बाजार की शुरुआत की गयी. सखी मंडल की महिलाओं द्वारा बाजार की शुरुआत की गयी है. इसकी शुरुआत करने में एसवीइपी के सीआरपी-इपी का पूरा सहयोग रहा. यह सब महिला समूह की बदौलत संभव हो पाया है. जेएसएलपीएस द्वारा संचालित महिला समूहों से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं समूह की गतिविधियों में काफी सक्रिय रहती हैं. सखी मंडल की दीदियों ने बताया कि समूह की महिलाएं जितनी जल्दी समूह की गतिविधियों को अच्छी तरह से समझ लें, उनके लिए उतना ही अच्छा होगा. समूह से जुड़ने के बाद महिलाएं सीआरपी-इपी के सहयोग से समूह से लोन लेकर छोटा-मोटा व्यवसाय भी कर सकती हैं. व्यवसाय के जरिये वो खुद भी आत्मनिर्भर बन सकती हैं. पहले ग्रामीणों को नौकरी की तलाश में दूसरे राज्यों में जाना पड़ता था. अब गांव में ही बाजार की शुरुआत हो जाने से गांव में ही अपना व्यवसाय कर सकते हैं. सखी मंडल की कई महिलाएं बाजार में सब्जी की दुकान लगा रही हैं, तो कोई दीदी श्रृंगार का सामान बेच रही हैं. सभी महिलाएं आत्मनिर्भर बनने में लगी हैं. बाजार के उद्घाटन के मौके पर गांडेय विधायक जयप्रकाश वर्मा बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए.

अनुशीला हेंब्रम

प्रखंड : बेंगाबाद
जिला : गिरिडीह

स्वच्छता मिशन को आगे बढ़ातीं प्रीति

पलामू जिले के पांकी प्रखंड अंतर्गत नौडीहा गांव की प्रीति देवी शौचालय निर्माण के लिए लोगों को प्रेरित कर रही हैं. प्रीति न केवल ग्रामीणों को शौचालय निर्माण में मदद की, बल्कि उसका इस्तेमाल करने के लिए भी लोगों को प्रेरित भी कर रही हैं. दुर्गा आजीविका सखी मंडल की सचिव प्रीति देवी को उनकी ईमानदारी, मेहनत और लगन को देखते हुए अपने गांव में शौचालय निर्माण का जिम्मा सौंपा गया था. इसके बाद प्रीति के साथ सखी मंडल की महिलाओं ने मिलकर गांव में 90 शौचालयों का निर्माण कराया. साथ ही खुले में शौच से होने वाली गंदगी और बीमारियों के बारे में ग्रामीणों को बताती हैं. प्रीति बताती हैं कि जब उनके घर में शौचालय नहीं था, तब उनके घर के लोग अनेक प्रकार की बीमारियों से ग्रसित रहते थे. बीमारी का कारण अंधविश्वास से जोड़ते थे, लेकिन पढ़ी-लिखी होने के कारण वो बीमारी की असली वजह समझती थीं. वह जानती थीं कि उनके घर के आस-पास की गन्दगी ही उनके परिवार वालों की बीमारी की वजह है. आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण प्रीति शौचालय का निर्माण करने में भी असमर्थ थीं. स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्रीति के घर में शौचालय बन गया. स्वच्छ भारत मिशन के तहत कराये गये शौचालय निर्माण को लेकर प्रीति समेत अन्य ग्रामीण महिलाएं सरकार के प्रति आभार प्रकट करती हैं.

कुसुम कुमारी सिंह

प्रखंड : पांकी
जिला : पलामू

महिला समूहों को दी गयी कुर्सी

गांव की हर महिला को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से गिरिडीह जिले के डुमरी प्रखंड अंतर्गत चेंगरो पंचायत भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने हर पंचायत की प्रत्येक सखी मंडल के बीच तीन कुर्सी और एक दरी का वितरण किया. इस दौरान डुमरी प्रखंड की प्रमुख यशोदा देवी ने भी योगदान दिया. यशोदा देवी ने कहा कि महिला समूह से नहीं जुड़ने से पहले गांव की महिलाएं अपने घरों में चूल्हा चौका तक सीमित रहती थीं. अब समूह से जुड़ जाने के बाद हमारी पंचायत की बहू-बेटियां घर से बाहर कदम रख रही हैं. उनमें आत्मविश्वास आया है, जिससे वो आत्मनिर्भर हो रही हैं. महिला समूह से जुड़ने के बाद डुमरी प्रखंड की महिलाओं में बदलाव दिख रहा है. समूह की महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष दीदियों के लिए तीन कुर्सी और एक दरी का वितरण किया गया है. उन्होंने आश्वासन दिया कि वो हर संभव महिलाओं की मदद करने के लिए तैयार हैं. उन्होंने कहा कि प्रखंड के प्रत्येक पंचायत में एक-एक सिलाई सेंटर खोला जायेगा. कार्यक्रम के दौरान पंचायत के मुखिया सुरेश पांडे, पंचायत समिति सदस्य राधा देवी, जेएसएलपीएस के पदाधिकारी और 72 सखी मंडल की महिलाएं शामिल हुईं. कुर्सी और दरी मिलने के बाद महिलाएं काफी खुश हुईं.

मुनिया देवी

प्रखंड : डुमरी
जिला : गिरिडीह

epaper.panchayatnama.com